Objectives and outcomes of papers of Hindi

and syllabus, Sophia College (Autonomous)

T Y B A

पेपर 4

हिन्दी साहित्य का इतिहास

उद्देश्य

1. 8वीं सदी से आजतक हिंदी साहित्य के इतिहास का एक विहंगम दृश्य विद्यार्थी के सम्मुख प्रस्तुत करना।

2. आदिकाल, मध्यकाल एवम् आधुनिक काल की समाज-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के संदर्भ में तत्कालीन साहित्य का खुलासा करना।

3. सिद्ध, नाथ, जैन एवं वीरगाथाओं का परिचय, भक्तिकालीन एवं रीतिकालीन साहित्य का परिचय तथा आधुनिक काल के विभिन्न काव्यान्दोलनों के परिचय के अतिरिक्त प्रमुख गद्य विधाओं जैसे, उपन्यास, कहानी, नाटक और निबंध की विकास यात्रा को स्पष्ट करना।

परिणाम

1. हिंदी साहित्य की दीर्घ परंपरा को विद्यार्थी अलग अलग कालों में बांट कर हृदयंगम कर पाएँगे।

2. वे विभिन्न कालों के साहित्य की मुख्य प्रवितियों के अंतर को समझ पाएँगे, अतः चित्तवृत्तियों के विकास को भी समझ पाएँगे। (उपदेश, राजाओं की स्तुति, भक्ति, श्रृंगार एवम अलंकारिकता, काव्य शिक्षण, राष्ट्रीयता, समाज सुधार, व्यक्तिपरकता की अभिव्यक्ति, अवचेतन और मनोग्रंथियों के साथ लिप्त दारुण सामाजिक यथार्थ इत्यादि)

3. वे अनेक कृती साहित्यकारों और उनकी कृतियों (कालक्रम में) से भी अवगत होंगे।

4. गद्य और काव्य विधाओं के विकास से परिचित होंगे।

पेपर 5

स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य

उद्देश्य

1. इस पत्र का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को स्वतंत्रता के बाद के आधुनिक हिंदी साहित्य (गद्य एवं पद्य) का आस्वाद और संस्पर्श देना है।

2. इसमें संस्मरण जैसी विधा का सम्पूर्ण परिचय भक्तिन, रज़िया, कमला, ऋषिकेश मुखर्जी के साथ ढाई दिन आदि कृतियों के माध्यम से कराना।

3. ‘आधे-अधूरे’ जैसे समकालीन चेतना वाले नाटक को विद्यार्थियों के नाट्य-संस्कार और जीवन यथार्थबोध का अंग बनाना।

4. 'गीतपुंज' के गीतों के माध्यम से गीत जैसी भावप्रवण एवं संवेदनात्मक विधा का संज्ञान कराना।

5. 'निबंध-मंजूषा' में विभिन्न निबंधकारों (आचार्य शुक्ल, हज़ारीप्रसाद द्विवेदी, दिनकर, वासुदेवशरण अग्रवाल, इंद्रनाथ मदान, हरिशंकर परसाई आदि) के निबंधों के माध्यम से निबंधों की विभिन्न शैलियों और गंभीर विषयों का प्रतिपादन करना।

परिणाम

1. संस्मरणों को पढ़ चुकने के बाद विद्यार्थी मनुष्य मन की जटिलता, आन्तरिक संसार, और दूसरे के मन पर उसके प्रतिबिम्ब को समझ कर मनुष्य को बेहतर तरीके से समझने का साहित्यिक संस्कार ग्रहण करेंगे।

2. आधे- अधूरे में चित्रित पारिवारिक-विघटन और सामाजिक बदलावों को न केवल मूर्त होता देखेंगे, वरन इनके मूल में निहित अस्तित्वपरक, आर्थिक, मानवीय स्थितिगत कारणों पर भी विचार करने में सक्षम होंगे।

3. गीतों के गेय रोमानीपन में जीवन के मर्म और असंगतियों का आकलन कर सकेंगे।

4. विभिन्न निबंधों के पठन के बाद मनोविज्ञान, संस्कृति, राष्ट्र, राजनीति की विसंगतियों और सभ्यता से जुड़े अनेक विषयों और अंतरालों को बखूबी समझ सकेंगे।

पेपर 6

हिंदी और सूचना प्रौद्योगिकी

उद्देश्य

1. विद्यार्थी को सूचना प्रौद्योगिकी जैसे अधुनातन विषय के अंतर्गत हिंदी में कम्प्यूटर पर कामकाज में सक्षम बनाना।

2. गूगल अनुवाद, अंतर्जाल और हिंदी के परिचय के अलावा रोज़गार एवम् संचार माध्यमों की दिशाओं का परिचय देना।

3. सोशल मीडिया के विभिन्न मंचों (फेसबुक, वट्सऐप, ट्विटर, इंस्टाग्राम, ब्लॉगिग) में हिंदी प्रयोग।

4. सोशल मीडिया और उसके इस्तेमाल में कानून से परिचित करना।

परिणाम

1. इस पेपर को पढ़ने पर विद्यार्थी सूचना प्रौद्योगिकी जैसे विषय के विभिन्न आयामों की व्यवहारिक और सैद्धांतिक समझ पा जाएँगे।

2. कम्प्यूटर में कामकाज का संज्ञान पा कर रोज़गार की दुनिया में कदम रखने के लिए ज़्यादा सक्षम महसूस करेंगे।

3. उनके सम्मुख हिंदी और भारतीय भाषाओं को लेकर शिक्षा, बाजार, अभिव्यक्ति, पत्रकारिता, मनोरंजन की अपार सम्भावनाएँ उजागर होंगी।

4. सोशल मीडिया के व्यवहारिक प्रयोग के अलावा उसके अच्छे-बुरे प्रभावों के प्रति भी सचेतन हो सकेंगे।

पेपर 7

साहित्य, समीक्षा, छंद एवं अलंकार

उद्देश्य

1. इस प्रपत्र द्वारा भारतीय काव्यशास्त्र की मूल संकल्पनाओं काव्य, काव्य हेतु, काव्यप्रयोजन, रस, शब्द शक्तियां छंद एवं अलंकार से विद्यार्थी को संपूर्णत: परिचित कराना।

2. भारतीय काव्य रूपों अर्थात महाकाव्य, खण्डकाव्य, गीति काव्य, ग़ज़ल एवं मुक्तक आदि का संज्ञान कराना।

3. गद्य विधाओं जैसे नाटक, उपन्यास, कहानी, निबंध आदि के तत्वों एवं स्वरूप का विवेचन करना।

4. भारतीय काव्यशास्त्र के अंतर्गत रस-सिद्धांत के परिचय के अलावा कुछ छंदों और अलंकारों का भी संज्ञान विद्यार्थी को कराना।

परिणाम

1. इस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी साहित्य और काव्य के सिद्धांत पक्ष (मुख्यत: भारतीय दृष्टि) को समझने में सक्षम हो जाएँगे।

2. साहित्य की जीवन के लिए सार्थकता को समझेंगे और नवरसों को साहित्य के अलावा तमाम कलाओं मे भी पहचान सकेंगे।

3. साहित्य आस्वाद से आगे वे साहित्य रूपों की तात्विक संरचना को समझ जाएँगे।

4. छंद और अलंकारों का ज्ञान साहित्य शास्त्र की आशंसा के बीजवपण के अलावा साहित्य रचना की प्रेरणा भी विद्यार्थी में जगा पायेगा।

5. विद्यार्थी साहित्य के कला-पक्ष और भावपक्ष के अंतर और द्वंद्वात्मक एकता को समझ जाएंगे।

पेपर 8

भाषाविज्ञान, हिंदी भाषा एवं हिंदी व्याकरण

उद्देश्य

1. भाषा जैसी बड़ी चीज के विज्ञान एवं सामान्य नियमों की पहचान कराना।

2. भाषा की विशेषताओं, परिवर्तनों, के अलावा भाषा के बोली, भाषा, राजभाषा, संपर्क और राष्ट्रभाषा जैसे रूपों के अंतर को स्पष्ट करना।

3. ध्वनिविज्ञान से लेकर अर्थविज्ञान तक भाषा विज्ञान की अनेक शाखाओं की संकल्पना का परिचय देना।

4. व्याकरण के तीनों संस्तरों अर्थात, वर्ण-विचार, शब्द-भेद एवं रूपांतर तथा वाक्यविचार का सम्पूर्ण संज्ञान कराना।

5. हिंदी भाषा की विकास की कहानी कहते हुए आर्य भाषाओं की दीर्घ परंपरा का भी आकलन करना।

6. हिंदी की प्रमुख बोलियों और प्रमुख रूपों (उर्दू, दक्खिनी, हिंदुस्तानी आदि) के परिचय के अलावा देवनागरी लिपि और हिंदी के शब्द समूह के विभिन्न स्रोतों का भी संज्ञान कराना।

परिणाम

1. इस पत्र को पढ़ने के बाद विद्यार्थी भाषाविज्ञान जैसे नवीन शास्त्र की मूल संकल्पनाओं को जान जाएँगे।

2. बोली, भाषा, राज और राष्ट्र भाषा के अंतर को सूक्ष्मता से पहचान लेंगे।

3. व्याकरण के तीनों स्तरों से जुड़े विषयों एवं संकल्पनाओं में दक्ष हो जाएंगे।

4. भारतीय आर्य भाषाओं की दीर्घ परंपरा में हिंदी के उद्भव और विकास को समझ लेंगे एवं हिंदी से जुड़े अन्य विषयों (शब्द समूह और लिपि आदि) को भी हृदयंगम कर पाएँगे।

पेपर 9

आधुनिक हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि

उद्देश्य

1. आधुनिक हिंदी साहित्य के मूल में प्रवहमान विचार की विभिन्न सरणियों का परिचय एवं निदर्शन विद्यार्थी को कराना।

2. विद्यार्थी को उन्नीसवीं सदी के भारतीय नवजागरण के विभिन्न आंदोलनों अर्थात, ब्रह्म समाज, आर्य समाज, प्रार्थना समाज, थियोसोफी, सत्यशोधक समाज आदि का पूर्ण परिचय प्रदान करना।

2. गांधीवाद एवं मार्क्सवाद के दार्शनिक पहलुओं की व्याख्या करना एवं उनके प्रभावों को हिंदी काव्य एवम् कथासाहित्य में लक्षित करना।

3. राष्ट्रीय चेतना के विकास में पत्र पत्रिकाओं के योगदान को समझाना तथा मनोविश्लेषण के सिद्धान्तों का संबंध साहित्य से जोड़ना।

4. दलित और आदिवासी अभिव्यक्ति के मूल आदर्शों को स्पष्ट करना और उस चेतना के वाहक साहित्य की भी चर्चा करना।

परिणाम

1. इस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी उन्नीसवीं सदी के विचारमंथन एवं नवजागरण के प्रतिनिधि समाजसुधारकों से परिचित होंगे और प्रेरणा पाएँगे।

2. गांधीवाद और मार्क्सवाद जैसे दर्शनों अथवा जीवन दृष्टियों के मर्म को समझने के बाद साहित्य में उनको ढलता देख पाएँगे।

3. मनोविश्लेषण को समझ लेंगे और उसका उपयोग साहित्य, साहित्यकार में और साहित्य के पात्रों को समझने में कर सकेंगे।

4. दलित और आदिवासी चेतनाओं से जुड़ कर अपनी चेतना का विस्तार कर पाएँगे।

T.Y.B.A. HINDI COURSE - IV
(Historyof Hindi Literature)
CourseCode– UAHIN– 501
कुल व्याख्यान —60
SEMESTER-V
Credit-4
प्रश्न पत्र —IV
हिंदी साहित्य का इतिहास

इकाई I हिंदी साहित्य का इतिहास —नामकरण और काल विभाजन की समस्याएँ

इकाई II **आदिकाल**

- आदिकालीन हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि।
- सिद्ध, नाथ, जैन एवं रासो साहित्य की सामान्य विशेषताएँ।

इकाई III **भक्तिकाल**

- भक्तिकालीन हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि।
- संत काव्यधारा, सूफ़ी काव्यधारा, रामभक्तिकाव्य, कृष्णभक्तिकाव्य की सामान्य विशेषताएँ।

इकाई IV **रीतिकाल**

- रीतिकालीन हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि।
- रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य की विशेषताएँ।

निर्धारित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों की सूची :

1. 'दोहाकोश' किसकी रचना है?
2. 'जयचंद प्रकाश' के रचयिता कौन हैं?
3. 'खुमानरासो' का लेखक कौन हैं?
4. 'संदेश रासक' के रचयिता कौन हैं?
5. 'कीर्तिपताका' के रचनाकार कौन हैं?
6. 'राऊलवेल' किसकी रचना है?
7. 'बीसलदेव रासो' के रचनाकार कौन है?
8. 'जय मयंक जस चंद्रिका' नामक ग्रंथ के रचनाकार कौन हैं?
9. 'रणमल्ल छंद' नामक काव्य की रचना किसने की है?
10. 'भरतेश्वर बाहुबलीरास' के रचनाकार कौन हैं?
11. 'दुलहिन गावहु मंगलचार' किसकी पंक्ति हैं?
12. कबीर की रचनाओं का संकलन किस नाम से किया गया है?
13. 'मैं कहता आंखिन देखी, तू कहता कागद की लेखी' किसकी पंक्ति है?
14. रैदास किस काव्यधारा के कवि हैं?
15. 'प्रभुजी तुम चन्दन हम पानी, जाकी अंग—अंग बास समानी।' किसकी पंक्ति है?
16. नानक—पंथ के प्रवर्तक कौन हैं?
17. नानक के पद किस ग्रंथ में संकलित हैं?
18. रज्जब किसके शिष्य थे?
19. दादू दयाल के पद किस शीर्षक से संग्रहित हैं?
20. 'बारहखड़ी' किसकी रचना है?
21. 'ज्ञानसमुद्र' के रचयिता का नाम लिखिए।
22. 'चंदायन' के रचयिता का नाम लिखिए।
23. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार भक्तिकाल की समय सीमा क्या है?
24. प्रेमाख्यान काव्यधारा पर किस शैली का प्रभाव है?
25. प्रेमाश्रयी शाखा के प्रमुख कवि कौन हैं?
26. 'मृगावती' के रचनाकार का नाम लिखिए?
27. रत्नसेन किस महाकाव्य का नायक है?
28. 'अखरावट' के रचयिता का नाम लिखिए।
29. 'छिताई वार्ता' किसकी रचना है?
30. 'ज्ञानदीप' की रचना किसने की?
31. 'विशिष्टाद्वैत—सिद्धांत की स्थापना किसने की?
32. आलवार संत संख्या में कितने थे?
33. 'ध्यानमंजरी' किसकी रचना है?
34. 'विनय पत्रिका' के रचयिता का नाम लिखिए।

35.'लाज न आई आपको दौरे आएहु साथ' — पंक्ति का संबंध किससे है?
36.'गौड़ीय सम्प्रदाय के प्रवर्तक कौन हैं?
37.'हरिदासी सम्प्रदाय किस अन्य नाम से जाना जाता है?
38.'सूरदास किसके शिष्य थे?
39.'साहित्य लहरी' किसकी रचना है?
40.'सूरसागर' के रचयिता का नाम लिखिए।
41.'पुष्टिमार्गीय भक्ति—संप्रदाय की स्थापना किसने की?
42."उर में माखन चोर गड़े।" किसकी पंक्ति है?
43.'विरहमंजरी' किसकी रचना है?
44."जग सुहाग मिथ्या री सजनी हांवा हो मिट जासी।" किसकी पंक्ति है?
45.'गीतगोविन्द की टीका' किसकी रचना है?
46.'अर्द्ध कथानक' किसकी रचना है?
47.'बरवै नायिकाभेद' के रचयिता कौन है?
48.'रामचंद्रिका' के रचयिता का नाम लिखिए।
49.'कविप्रिया' किसकी रचना है?
50.'रसिकप्रिया' के रचयिता का नाम लिखिए।
51.'स्थूलिभद्ररास' में स्थूलिभद्र के साथ किस वेश्या की कथा कही गई है?

i)प्रदिशा ii) शेफालिका
iii)कोशा iv) मदनिका

52.कौनसी शैली जैन रचनाओं की नहीं है?

i) रास ii) फागु
iii) चरित iv) चर्यापद

53.'कवि स्वयंभू' किस भाषा के कवि हैं?

i) प्राकृत ii) अपभ्रंश
iii) हिंदी iv) पाली

54.'गोरख जगायो जोग, भक्ति भगायो भोग' किसकी पंक्ति है?

i) ईश्वरदास ii) तुलसीदास
iii) रामानंद iv) वल्लभाचार्य

55.'भरतेश्वर बाहुबली रास' को जैन साहित्य के रास परंपरा का पहला ग्रंथ किसने माना है?

i) राहुल सांस्कृत्यायन ii) गणपतिचंद्र गुप्त
iii) मुनिजिन विजय iv) रामचंद्र शुक्ल

56.'संधा भाषा' का प्रयोग किन कवियों ने किया है?

i) सिद्ध ii) जैन
iii) अपभ्रंश iv) संत

57.'कवि पुष्पदंत' किस भाषा के कवि है?

i) प्राकृत ii) अपभ्रंश

iii) हिंदी iv) पाली

58.कबीर को 'वाणी का डिक्टेटर' किसने कहा?

i) हजारीप्रसाद द्विवेदी ii) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

iii) श्यामसुंदर दास iv) डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त

59.संत काव्यधारा का प्रमुख रस कौन–सा है?

i) वीर ii) करूण

iii) श्रृंगार iv) शांत

60.निर्गुण ब्रह्म किस काव्यधारा का प्रमुख आधार है?

i) संत ii) सूफ़ी

iii) राम iv) कृष्ण

61.राम काव्यधारा के प्रमुख कवि कौन हैं?

i) कबीर ii) जायसी

iii) तुलसीदास iv) सूरदास

62.निम्नलिखित में से कौन पुष्टिमार्ग का कवि नहीं है?

i) नागरीदास ii) छितस्वामी

iii) नंददास iv) सूरदास

63.निम्नलिखित में से कौन–सी रचना सूरदास की नहीं है?

i) साहित्य–लहरी ii) सूरसारावली

iii) सूरसागर iv) रामचरितमानस

64."मो मन गिरधर छवि पर अटक्यौ।" किसकी पंक्ति है?

i) मीराबाई ii) सूरदास

iii) कृष्णदास iv) कुंभनदास

65.निम्नलिखित में से कौन–सी रचना केशवदास की नहीं है?

i) रतन बावनी ii) साहित्य–लहरी

iii) विज्ञानगीता iv) रसिकप्रिया

66.'नायिका भेद' किसकी रचना है?

i) रहीम ii) नाभादास

iii) सुंदर कविराय iv) न्यामत खाँ जान

67.'रतन बावनी' के रचयिता कौन हैं?

i) तुलसीदास ii) ईश्वरदास

iii) केशवदास iv) नाभादास

68.राधा वल्लभ सम्प्रदाय के प्रवर्तक कौन हैं?

i) स्वामी हरिदास ii) निम्बाकाचार्य

iii) चैतन्य महाप्रभु iv) हितहरिवंश

69.निम्नलिखित में से कौन—सी रचना नंददास की है?

i) सूरसागर ii) अनेकार्थ मंजरी

iii) राम रत्नाकर iv) परमानंद सागर

70.'हित चौरासी' किसकी रचना है?

i) हित हरिवंश ii) ध्रुवदास

iii) कृष्णदास iv) छितस्वामी

71.'अजगर करै न चाकरी, पंछी करै न काम' किसकी उक्ति है?

i) सुंदरदास ii) मीराबाई

iii) मलूकदास iv) कबीरदास

72.दादू—पंथ के प्रवर्तक कौन हैं?

i) मलूकदास ii) नाभादास

iii) लालदास iv) दादूदयाल

73.'जपुजी' के रचनाकार का नाम क्या है?

i) कबीरदास ii) नानकदेव

iii) नाभादास iv) सुंदरदास

74."दशरथ सुत तिहुं लोक बखाना।" किसकी उक्ति है?

i) कबीरदास ii) जायसी

iii) सूरदास iv) तुलसीदास

75."बकरी पाती खात है, ताकि काढ़ी खाल।" यह किसकी उक्ति है?

i) रैदास ii) कबीरदास

iii) धर्मदास iv) कल्लोल कवि

76.'मूल गोसाई चरित' किसका ग्रंथ है?

i) अग्रदास ii) तुलसीदास

iii) बेनी माधवदास iv) नंददास

77.इनमें से कौन—सा ग्रंथ सेनापति का है?

i) रामचन्द्रिका ii) कवित्त—रत्नाकर

iii) रामरक्षा—स्तोत्र iv) रामचरितमानस

78.'कबीर ग्रंथावली' का सम्पादन किसने किया?

i) डॉ. श्यामसुंदरदास ii) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

iii) डॉ. नगेन्द्र iv) डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त

79.'आख़िरी कलाम' किसकी रचना है?

i) जायसी ii) कुतुबन

iii) मंझन iv) बनारसीदास

80.'साखी' शब्द का अर्थ क्या है?

i) साक्षी ii) शिखा
iii) सखी iv) शिक्षा

81.'कथारूप मंजरी' किसकी रचना है?
i) आलम ii) कासिमशाह
iii) जानकवि iv) शेख नबी

82.रीतिकाल को श्रृंगार काल संज्ञा देने वाले विद्वान कौन हैं?
i) रामचंद्र शुक्ल ii) धीरेन्द्र वर्मा
iii) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र iv) मिश्रबंधु

83.'कठिन काव्य का प्रेत' किस कवि को कहा गया है?
i) केशव ii) चिंतामणि
iii) बोधा iv) ठाकुर

84.इनमें से कौनसी रचना मतिराम की है?
i) सुजानचरित ii) कविप्रिया
iii) ललितललाम iv) जगदविनोद

85.'कविकुलकल्पतरू' किसकी रचना है?
i) चिंतामणि ii) देव
iii) केशव iv) मतिराम

86.रीतिमुक्त कवि कौन है?
i) केशवदास ii) घनानंद
iii) मतिराम iv) चिंतामणि

87."अति सूधो सनेह को मारग है" किसकी पंक्ति है?
i) बोधा ii) ठाकुर
iii) घनानंद iv) पद्याकर

88.ऋतु–वर्णन के लिए विशेषत: रीतिकाल का कौनसा कवि प्रसिद्ध है?
i) देव ii) बिहारी
iii) सेनापति iv)पद्माकर

89.स्वच्छन्द प्रेम के गायक कौन है?
i) वृंद ii) आलम
iii) बिहारी iv) मतिराम

90.'काव्यनिर्णय' ग्रंथ किस कवि का है?
i) चिंतामणि ii) मतिराम
iii) भिखारीदास iv) कुलपतिमिश्र

91.'शिवाबावनी' के रचयिता कौन हैं?
i) गोविन्दसिंह ii) भूषण
iii) भिखारीदास iv) जायसी

92.रीतिकाल को 'अलंकृत काल' की संज्ञा किसने दी है?

i) मिश्रबंधु ii) रामकुमार वर्मा

iii) धीरेंद्र वर्मा iv) हजारीप्रसाद द्विवेदी

93.'इश्क़नामा' किसकी कृति है?

i) आलम ii) बोधा

iii) ठाकुर iv) द्विजदेव

94.'छत्रप्रकाश' किसकी रचना है?

i) लालकवि ii) श्रीधर

iii) ग्वाल iv) मंझन

95.'बिहारी सतसई' पर किस ग्रंथ का प्रभाव है?

i) नवरसतरंग ii) श्रृंगारसागर

iii) गाथासप्तशती iv) ब्रजविलास

96."कुंदन को रंग फिकौ लगे" किसकी पंक्ति है?

i) रसलीन ii) वृंद

iii) मतिराम iv) आलम

97.इनमें से किस कवि ने लक्षण ग्रंथ नहीं लिखा?

i) मतिराम ii) चिंतामणि

iii) भूषण iv) घनानंद

98.रीतिकाल के किस कवि में भक्ति और श्रृंगार का समन्वयात्मक योग है?

i) सेनापति ii) घनानंद

iii) भिखारीदास iv) जनकवि

99."देखन में छोटे लगै, घाव करै गंभीर" यह उक्ति किस कवि की रचनाओं के संबंध में है?

i) ठाकुर ii) देव

iii) बोधा iv) बिहारी

100."मोहितो मोरे कवित्त बनावत" उक्ति किस कवि की है?

i) मतिराम ii) चिंतामणि

iii) रसलीन iv) घनानंद

संदर्भ ग्रंथ :

1.हिंदी साहित्य का इतिहास — आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2.हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि — आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
3.हिंदी साहित्य का आदिकाल — आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
4.हिंदी साहित्य उद्‌भव और विकास — आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
5.हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास — रामकुमार वर्मा
6.हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास — डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त
7.हिंदी साहित्य का इतिहास — डॉ. विजयेन्द्र स्नातक
8.हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास — डॉ. बच्चन सिंह
9.हिंदी साहित्य (3 खण्ड) — हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
10.हिंदी साहित्य का इतिहास — संपादक : डॉ. नगेन्द्र और डॉ. हरदयाल
11.हिंदी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास — डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी
12.हिंदी साहित्य का इतिहास — लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय
13.हिन्दी और मराठी संत साहित्य : समाजशास्त्रीय रचनात्मक प्रासंगिकता का तुलनात्मक अध्ययन — सम्पादक : डॉ. विद्या शिंदे

T.Y.B.A.HINDI COURSE– IV
(History of Modern Hindi Literature)
CourseCode– UAHIN-601
कुल व्याख्यान - 60
SEMESTER-VI
Credit–4
प्रश्न पत्र —IV
आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास

(क) आधुनिक हिंदी कविता का विकास

इकाई।
- आधुनिककाल — हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियों का सामान्य परिचय
- भारतेन्दु—युग
- द्विवेदी—युग
- छायावाद

इकाई।।
- प्रगतिवाद
- प्रयोगवाद
- नई कविता
- समकालीन कविता

(ख) आधुनिक हिंदी गद्य का इतिहास

इकाई।।।
- उपन्यास
- कहानी
- नाटक

इकाईIV
- निबंध
- आलोचना
- आत्मकथा

निर्धारित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों की सूची :

1. आधुनिक काल को 'गद्य काल' किसने कहा है?
2. हिंदी साहित्य के आधुनिक काल का प्रारंभ कब से माना जाता है?
3. खड़ीबोली का पहला महाकाव्य कौन–सा है?
4. 'रानी केतकी की कहानी' रचना किसने लिखी?
5. द्विवेदी युग की मुख्य विशेषता क्या है?
6. छायावादी काव्य के ब्रम्हा, विष्णु और महेश किसे कहा जाता है?
7. 'शोषकों के प्रति घृणा और रोष' यह कौन से काव्य की विशेषता है?
8. जयशंकर प्रसाद का प्रसिद्ध महाकाव्य कौन–सा है?
9. जयशंकर प्रसाद किस युग के कवि थे?
10. छायावादी युग की सर्वश्रेष्ठ कवयित्री कौन है?
11. 'ठिठुरता हुआ गणतन्त्र' किस रचनाकार का निबंध संग्रह है?
12. 'कुआनो नदी' नामक रचना किस कवि की है?
13. 'नदी के द्वीप' नामक रचना किस कवि की है?
14. 'तार सप्तक' का प्रकाशन किसने किया?
15. 'इत्यलम्' किसका काव्य संग्रह है?
16. "सिंहासन ख़ाली करो कि जनता आती है।" पंक्तियाँ किस कवि की हैं?
17. प्रगतिवाद का मूल आधार किसे माना जाता है?
18. वैद्यनाथ मिश्र किस कवि का मूल नाम है?
19. 'इतिहास के आँसू' नामक काव्य संग्रह किस कवि का है?
20. 'चाँद का मुंह टेढ़ा है' नामक कविता किस कवि की है?
21. अज्ञेय की कौन सी रचना यात्रा पर आधारित है?
22. 'जंग और व्यंग्य' किसकी कृति है?
23. 'ब्रजवर्तिका' के रचनाकार कौन है?
24. 'छन्दशती' के रचयिता कौन हैं?
25. 'भूरी–भूरी ख़ाक धूल' रचनाकार का नाम बताईये?
26. 'मछलीघर' के रचियता कौन हैं?
27. 'शबरी' प्रबंध–काव्य किसने लिखा है?
28. रामदरश मिश्र द्वारा लिखित गीतिकाव्य का नाम बताईये?
29. 'संशयात्मा' के लेखक कौन हैं?
30. 'प्रेम की भूतकथा' के उपन्यासकार कौन है?
31. 'कहानी एक नेताजी की' किस प्रकार की रचना है?
32. 'नीलाम घर' किसका उपन्यास है?
33. जैनेन्द्र का अंतिम उपन्यास कौन सा है?
34. 'डूब' किस प्रकार का उपन्यास है?

35. 'छोटे—छोटे सुख' किसका निबंध है?
36. 'आदि अन्त और आरम्भ' के निबंधकार कौन हैं?
37. 'नैपथ्य राग' किसकी नाटय कृति है?
38. 'भूख हड़ताल' किसकी एकांकी है?
39. हिन्दी कहानियों का नाट्यरूपांतर किसने प्रारम्भ किया?
40. प्रेमचन्द के कहानियों का नाट्यरूपांतर किसने किया?
41. 'कांसे का गिलास' किसकी कहानी है?
42. 'आँखों देखा पाकिस्तान' के रचनाकार का नाम लिखिए।
43. 'ज़माने मेंहम' आत्मकथा किसकी है?
44. 'आखरी चट्टान तक' रिपोर्ताज के लेखक कौन है?
45. 'मंटो ज़िन्दा है' जीवनी किसने लिखी है?
46. 'नंगा तलाई गाँव' किसका संस्मरण है?
47. राजेन्द्र यादव द्वारा लिखित 'अब वे वहाँ नहीं रहते' किस प्रकार की कृति है?
48. 'आते—जाते दिन' रचनाकार का नाम लिखिए?
49. 'राह किनारे बैठ' हास्य—व्यंग्यात्मक कृति किसकी है?
50. भोजपूरी साहित्य का इतिहास किसने लिखा?
51. निराला की किस कृति में प्रगतिवाद की अभिव्यक्ति हुई है?

i) कुकुरमुत्ता ii) नए पत्ते
iii) अणिमा iv) उपर्युक्त सभी

52. प्रगतिशील लेखक संघ का प्रथम अधिवेशन कब हुआ?

i) 1935बनारस में ii) 1937 पटना
iii)1936लखनऊ में iv) 1938पेरिस में

53. यह कथन किसने कहा है कि "मैं प्रयोगवाद का अगुवा नहीं पिछलगुवा हूँ।"

i) अज्ञेय ii) पंत
iii) दिनकर iv) जगदीश गुप्त

54. प्रयोगवाद का आरंभ किस पत्रिका से हुआ?

i) प्रतीक ii) हिंदी प्रदीप
iii) इत्यलम् iv) पल्लव

55. सुमन किस प्रगतिशील कवि का उपनाम है?

i) केदारनाथ अग्रवाल ii) त्रिलोचन
iii) रामेश्वर शुक्ल iv) शिवमंगल सिंह

56. हिंदी के मौलिक उपन्यासों का उद्भव किस युग में हुआ है?

i) भारतेंदु ii) प्रसाद
iii)यशपाल iv) प्रेमचंद

57. उपन्यास सम्राट किसे कहा जाता है?

i) जैनेन्द्र ii) नागार्जुन
iii) यशपाल iv) मुंशी प्रेमचंद

58. "युद्ध में मर्यादाएँ टूट जाती हैं, विवेक पराजित हो जाता है और अंधेपन की विजय होती है।" यह कथन किस नाटक का है?
i) अंधायुग ii) अँधेरे बंद कमरे में
iii) टूटते परिवेश iv) घंटियाँ गूँजती हैं

59. 'शेखर एक जीवनी' के रचयिता कौन है।
i) जैनेन्द्र ii) इलाचंद्र जोशी
iii) अज्ञेय iv) नागार्जुन

60. इनमें से कौन ललित निबंधकार नहीं है?
i) हजारी प्रसाद द्विवेदी ii) महवीर प्रसाद द्विवेदी
iii) कुबेरनाथ राय iv) विद्यानिवास मिश्र

61. 'अपने अपने अजनबी' उपन्यास किसने लिखा है?
i) अज्ञेय ii) प्रेमचंद
iii) जैनेंद्रकुमार iv) यशपाल

62. इनमें से कौन सा निबंध संग्रह कुबेरनाथ राय का नहीं है?
i) रस आखटेक ii) प्रिया नीलकंठी
iii) निषाद बांसुरी iv) तुम चंदन हम पानी

63. 'दादा कॉमरेड' किसकी रचना है?
i) यशपाल ii) मनीष झा
iii) जैनेंद्र iv) मधुरेश

64. 'ज़िंदगीनामा' उपन्यास किसने लिखा है?
i) कृष्णा सोबती ii) मृदुला गर्ग
iii) महादेवी वर्मा iv) अनामिका

65. इनमें से कोन सा जोड़ा असंगत है?
i) जगदीशचन्द माथुर — पहला राजा
ii) लक्ष्मी नारायण लाल — मादा कैक्टस
iii) मोहन राकेश — लहरों के राजहंस
iv) देवराज दिनेश — आधे अधूरे

66. 'शेष—अशेष' उपन्यास के लेखक कौन हैं?
i) उदय शंकर भट्ट ii) उदयकुमार
iii) प्रेमचंद iv) यशपाल

67. 'आवारा मसीहा' किसकी जीवनी है?
i) रवीन्द्रनाथ ठाकुर ii) विष्णु प्रभाकर
iii) शरतचंद्र चटर्जी iv) राजेंद्र यादव

68. 'वैशाली की नगरवधू' किस विधा की रचना है?

i) नाटक ii) कविता

iii) उपन्यास iv) आत्मकथा

69. इनमें से कौन सी कृति रामविलास शर्मा की है?

i) आस्था और सौन्दर्य

ii) मार्क्स और प्राचीन साहित्य का मूल्यांकन

iii) भाषा और समाज

iv) नए साहित्य का सौन्दर्य शास्त्र

70. 'आधा गाँव' उपन्यास किसने लिखा है?

i) प्रेमचंद ii) राही मासूम रज़ा

iii) अमरकांत iv) यशपाल

71. 'नीला चाँद' उपन्यास किसने लिखा है?

i) नंदिता जैन ii) शिवप्रसाद सिंह

iii) यशपाल iv) जैनेन्द्र

72. 'ताश के पत्तों का शहर' उपन्यास किसने लिखा है?

i) राजकमल चौधरी ii) नरेश मेहता

iii) नागार्जुन iv) रांगेय राघव

73. 'पारिजात' उपन्यास किसने लिखा है?

i) मन्नू भंडारी ii) अनामिका

iii) मैत्रेयी पुष्पा iv) नासिरा शर्मा

74. 'अग्निपंखी उपन्यास किसने लिखा है?

i) सूर्यबाला ii) मैत्रेयी पुष्पा

iii) मृदुला गर्ग iv) नासिरा शर्मा

75. 'तत्सम' उपन्यास की लेखिका कौन है?

i) मृदुला गर्ग ii) मंजूला भगत

iii) राजी सेठ iv) नीरजा

76. कौनसी रचना हिंदी नाट्य साहित्य की पहली रचना मानी जाती है?

i) शंकुतला ii) हनुमन्नाटक

iii) राजी सेठ iv) नीरजा

77. वर्ष 2008 में प्रकाशित 'हिन्दी साहित्येतिहास की भूमिका' किसका ग्रन्थ है?

i) सूर्यप्रसाद दीक्षित ii) बच्चन सिंह

iii) सुमन राजे iv) प्रबोध चंद्रोदय

78. जगदीश गुप्त द्वारा ब्रजभाषा में रचित काव्यकृति कौन–सी है?

i) गंगा लहरी ii) लंकादहन

iii) ब्रजवर्तिका iv) छंदशती

79. इनमें से कौन–सी कृति गिरजा कुमार माथुर की नहीं है?

i) छाया मत छूना मन ii) भीतरी नदी की यात्रा

iii) गुलमेहंदी iv) कल्पांतर

80. इनमें से 'कालजयी' प्रबंध काव्य के रचयिता कौन है?

i) भवानी प्रसाद मिश्र ii) नरेश मेहता

iii) जगदीश चतुर्वेदी iv) भारतभूषण अग्रवाल

81. निम्नलिखित में से कौन–सा गीतिकाव्य रमेश रंजक का नहीं है?

i) इतिहास दुबारा लिखो ii) मेरे प्रिय गीत

iii) दरिया का पानी iv) मिट्टी बोलती है

82. 'लौटा है विजेता' काव्य–संग्रह किसका है?

i) अर्चना वर्मा ii) कात्यायनी

iii) निर्मला गर्ग iv) अनामिका

83. 'बंधन' उपन्यास के लेखक का नाम बताइये।

i) रमाकांत ii) पंकज बिष्ट

iii) मनोज सिंह iv) देवेश ठाकुर

84. इनमें से नारी समस्या पर आधारित उपन्यास कौन–सा है?

i) अनारो ii) अनायास

iii) अपुरूष iv) बेदखल

85. इनमें से पहला दलित उपन्यास कौन–सा है?

i) काला पहाड़ ii) कफन

iii) आत्मदान iv) छप्पर

86. सहज कहानी के प्रवर्तक कौन हैं?

i) अमृतराय ii) मार्कण्डेय

iii) कमलेश्वर iv) निर्मल वर्मा

87. 'कहानी : स्वरूप और संवेदना' पुस्तक के लेखक कौन है?

i) धनंजय ii) राजेन्द्र यादव

iii) इन्द्रनाथ मदान iv) उदय प्रकाश

88. 'दलित कहानी संचयन' कहानी संग्रह किसके द्वारा संपादित किया गया है?

i) रमणिका गुप्ता ii) रजनी तिलक

iii) कुसुम वियोगी iv) कुसुम मेधवाल

89. इनमें से नाट्य लेखक का कौन–सा मेल सही है?

i) मृदुला गर्ग — जादू का कालीन

ii) सुरेन्द्र वर्मा — जादू जंगल

iii) भीष्म सहानी — रेत की दीवार

iv) शंकर शेष — अधूरी आवाज़

90. निम्नलिखित नाटकों में स्वदेश दीपक की नाट्यकृति नहीं है?

i) कोर्ट मार्शल ii) जलता हुआ रथ

iii) काला पहाड़ iv) काल कोठरी

91. इनमें से 'देश की मिट्टी' एकांकीकार को चुनिए।

i) हरीकृष्ण 'प्रेमी' ii) जयनाथ नलिन

iii) प्रभाकर माचवे iv) विनोद रस्तोगी

92. 'फुरसत के दिन' कृति के आत्मकथाकार कौन हैं?

i) रामदरश मिश्र ii) रमणिका गुप्ता

iii) मिथिलेश्वर iv) देवेश ठाकुर

93. 'पिंजरे की मैना' किस प्रकार की कृति है?

i) उपन्यास ii) कहानी

iii) आत्मकथा iv) जीवनी

94. 'रास्ते की तलाश में' किसका यात्रा वृत्त है?

i) श्रीकांत वर्मा ii) सतीश आलोक

iii) गोविन्द मिश्र iv) असगर वजाहत

95. 'सैलानी की डायरी' किस प्रकार की विधा है?

i) संस्मरण ii) डायरी

iii) यात्रा वृत्त iv) जीवनी

96. 'प्रात: एक स्वप्न' किसका रिपोर्ताज है?''

i) निर्मल वर्मा ii) विवेकीराय

iii) धर्मवीर भारती iv) रामकुमार वर्मा

97. 'कमलेश्वर : मेरे हमसफ़र' जीवनी के रचयिता कौन है?

i) मदन मोहन ii) गायत्री कमलेश्वर

iii) महिमा मेहता iv) बिन्दु अग्रवाल

98. कौन—सा मेल गलत है।

i) महादेवी वर्मा — स्मृति की रेखा

ii) रामकमल राय — स्मृतियों का शुक्ल पक्ष

iii) रामनाथ सुमन — मैंने स्मृति के दीप जलाये

iv) पद्मा सचदेव — स्मृति की त्रिवेणियाँ

99. अमृतलाल नागर को सोवियत लैण्ड नेहरू पुरस्कार किस कृति के लिए दिया गया?

i) मानस का हंस ii) अमृत और विष

iii) खंजन नयन iv) बूँद और समुद्र

100. 'सम्मेलन पत्रिका' कहाँ से प्रकाशित होती है?

i) दिल्ली ii) प्रयाग

iii) मुंबई iv) कानपुर

संदर्भ ग्रंथ :

1. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास — डॉ. बच्चन सिंह
2. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य का इतिहास — डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
3. हिंदी का गद्य साहित्य — डॉ. रामचंद्र तिवारी
4. छायावाद —डॉ. नामवर सिंह
5. आधुनिक हिंदी काव्य की प्रवृत्तियाँ — डॉ. नामवर सिंह
6. भारतेंदु हरिश्चंद्र — डॉ. रामविलास शर्मा
7. भारतेंदु युग और हिंदी भाषा की विकास परंपरा — डॉ. रामविलास शर्मा
8. आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण — डॉ. रामविलास शर्मा
9. प्रेमचंद और उनका युग — डॉ. रामविलास शर्मा
10. कहानी नई कहानी — नामवर सिंह
11. नई कहानी संवेदना और शिल्प — देवीशंकर अवस्थी
12. हिंदी नाटक — डॉ. बच्चन सिंह
13. नटरंग — डॉ. नेमीचंद्र जैन
14. नया साहित्य नये प्रश्न — आचार्य नंददुलारे वाजपेयी
15. नई कविता के प्रतिमान — लक्ष्मीकांत वर्मा
16. कविता के नये प्रतिमान — डॉ. नामवर सिंह
17. आधुनिक साहित्य — नंददुलारे वाजपेयी
18. हिंदी साहित्य का इतिहास — संपादक : डॉ. नगेंद्र और डॉ. हरदयाल

T. Y. B. A. Paper V

(Post-independence Hindi Literature)

Course code SBAHIL502

Semester V

स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य

१. नाटक – आधे अधूरे (मोहन राकेश), राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

२. रेखाचित्र और संस्मरण - गद्य गरिमा, संपादन – हिन्दी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

i. भक्तिन – महादेवी वर्मा
ii. रजिया – रामवृक्ष बेनीपुरी
iii. तुम्हारी स्मृति – माखनलाल चतुर्वेदी
iv. ये हैं प्रोफेसर शंशाक – विष्णुकांत शास्त्री
v. स्मरण का स्मृतिकार – अज्ञेय
vi. कमला – पद्मा सचदेव
vii. हृषिकेश मुखर्जी के साथ ढाई दिन – मनोहरश्याम जोशी
viii. मेरा हमदम मेरा दोस्त कमलेश्वर – राजेंद्र यादव

T.Y.B.A. HINDI COURSE - V
(Post Independence Hindi Literature)
CourseCode-UAHIN-602

कुल व्याख्यान-60

SEMESTER –VI
Credits–4
प्रश्न पत्र —v
स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य
निर्धारित पाठ्य पुस्तकें

इकाई I

- गीतिकाव्य — परिभाषा, तत्त्व, स्वातंत्र्योत्तर, गीतिकाव्य का विकास

इकाई II

- गीत — पुंज संपादन, हिन्दी अध्ययन मंडल,
  मुंबई विश्वविद्यालय,
  राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

i) जीवन नहीं मरा करता है — गोपालदास 'नीरज'
ii) सितारों ने लूटा.... — गोपाल सिंह 'नेपाली'
iii) जीवन अनुभव की पुस्तक.... — ज्ञानवती सक्सेना
iv) आती जाती साँसें दो सहेलियाँ हैं— कुंअर बेचैन
v) बेटी..... — सरिता शर्मा
vi) आँसू गंगाजल हो बैठे.... — विष्णु सक्सेना
vii) अपनी गंध नहीं बेचूंगा..... — बालकवि बैरागी
viii) आकाश सारा..... — बुद्धिनाथ मिश्र
ix) असंभव..... — रमानाथ अवस्थी
x) मेघयत्री..... — वीरेंद्र मिश्र

इकाई III

- निबंध — परिभाषा, तत्त्व, भेद तथा स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी निबंध साहित्य का विकास

इकाई IV

- निबंध—मंजूषासंपादन, हिन्दी अध्ययन मंडल,
  मुंबई विश्वविद्यालय,
  लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली

i) उत्साह — आचार्य रामचंद्र शुक्ल
ii) देवदारू — आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
iii) संस्कृति है क्या? — रामधारी सिंह 'दिनकर'

iv) राष्ट्र का स्वरूप — वासुदेवशरण अग्रवाल
v) ठिठुरता हुआ गणतन्त्र — हरिशंकर परसाई
vi) मिले तो पछताए — इन्द्रनाथ मदान
vii) बुद्धिजीवी — शंकर पुणतांबेकर
viii) पानी है अनमोल — श्रीराम परिहार

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी का गद्य साहित्य — रामचंद्र तिवारी
2. आधुनिक हिंदी गद्य का साहित्य — हरदयाल
3. छायावादोत्तर हिंदी गद्य साहित्य — विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
4. हिंदी रेखाचित्र — हरवंशलाल शर्मा
5. निबंधों की दुनिया विजयदेव नारायण साही — संपादक : निर्मल जैन और हरिमोहन शर्मा
6. निबंधों की दुनिया शिवपूजन सहाय — निर्मला जैन और अनिल राय
7. प्रतिनिधि हिन्दी निबंधकार — ज्योतीश्वर मिश्र

T.Y.B.A.HINDI COURSE - VI
(Information Technology in Hindi)
CourseCode- UAHIN-503
कुल व्याख्यान-45
SEMESTER-V
Credit– 4
प्रश्न पत्र —VI
हिन्दी में सूचना प्रौद्योगिकी

इकाई I

- सूचना प्रौद्योगिकी : अर्थ, परिभाषा और स्वरूप
- कम्प्यूटर पर हिन्दी में कामकाज का परिचय
  (हिन्दी फ़ॉन्ट, कम्प्यूटर पर आधारित हिन्दी के सॉफ्टवेयर्स)
- गूगल अनुवाद उपयोगिता, समस्याएँ।

इकाई II

- इन्टरनेट और हिन्दी
  (हिन्दी में ईमेल, नेट पर हिन्दी विज्ञापन, नेट पर हिन्दी समाचार चैनल, हिन्दी की साहित्यिक ई—पत्रिकाएँ, गैर साहित्यिक हिन्दी की वेबसाइट)
- संचार माध्यम और रोज़गार की संभावनाएँ
- प्रिन्ट मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का विकास, कठिनाइयाँ और उपयोगिता

इकाई III

- भारत में डिजिटलाइज़ेशन का विकास, कठिनाइयाँ और उपयोगिता
- सूचना प्रौद्योगिकी की जीवन में सकारात्मक एवं नकारात्मक भूमिका।
- सूचना प्रौद्योगिकी हिन्दी भाषा, देवनागरी लिपि का वैश्विक प्रसार और प्रयोग।

इकाई IV

- सूचना प्रौद्योगिकी का शिक्षा के क्षेत्र में योगदान
- सूचना प्रौद्योगिकी का महत्त्व, आवश्यकता और उपयोगिता
- सूचना प्रौद्योगिकी समस्याएँ, सीमाएँ और चुनौतियाँ।

सूचना : प्रकल्प — २० अंक

(पाठ्यक्रम से संबंधित किसी भी विषय पर 15 से 20 पृष्ठों का प्रकल्प तैयार करना अपेक्षित है।)

संदर्भ ग्रंथ :

1. आधुनिक जनसंचार आौर हिन्दी — हरिमोहन
2. कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग — विजय कुमार मल्होत्रा
3. कंप्यूटर और हिन्दी — हरिमोहन
4. पत्रकारिता से मीडिया तक — मनोज कुमार
5. इन्टरनेट — शशि शुक्ला
6. प्रयोजनमूलक हिन्दी — डॉ. पी. लता
7. प्रयोजनमूलक हिन्दी — रमेश जैन
8. जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता — डॉ. अर्जुन तिवारी
9. प्रयोजनमूलक हिन्दी — डॉ. विनोद गोदरे
10. प्रयोजनमूलक हिन्दी के विविध आयाम — डॉ. माया सिंह और डॉ. विद्धेश्वर कश्यप
11. वर्चुअल रियलिटी और इन्टरनेट — जगदीश्वर चतुर्वेदी
12. मीडिया भूमंडलीकरण और समाज — संपादक : संजय द्विवेदी
13. जनसंचार और मीडिया लेखन — डॉ. दत्तात्रय मुरुमकर
14. अनुवाद का समकाल — डॉ. मोहसिन ख़ान

T.Y.B.A.HINDI COURSE - VI
(Social Media)
CourseCode– UAHIN– 603
कुल व्याख्यान-45

SEMESTER – VI
Credit - 4
प्रश्न पत्र —VI
सोशल मीडिया

इकाई I

- सोशल मीडिया का स्वरूप, प्रकार और विकास
- फ़ेसबुक, व्हाट्सअप, ट्विटर, मैसेन्जर, इन्स्टाग्राम में हिंदी, ब्लोगिंग और हिन्दी, सोशल नेटवर्किंग साइट और विज्ञापन, एफ.एम.रेडियो और हिंदी

इकाई II

- सोशल मीडिया के प्रभाव
  राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक, युवाओं पर, बच्चों पर, महिलाओं और वृद्धों पर प्रभाव
- मुक्त अभिव्यक्ति और सोशल मीडिया
- सोशल मीडिया की प्रचलित भाषा, समाज और संस्कृति के अंतर्प्रभाव

इकाईIII

- सोशल मीडिया और क़ानून
- सोशल मीडिया और बदलता हुआ भारतीय परिवेश
- सोशल मीडिया की उपयोगिता एवं उपलब्धियाँ

इकाई IV

- सोशल मीडिया में हिन्दी का प्रसार और प्रयोग
- सोशल मीडिया समस्याएँ, चुनौतियाँ और सीमाएँ

सूचना : प्रकल्प — २० अंक

(पाठ्यक्रम से संबंधित किसी भी विषय पर 15 से 20 पृष्ठों का प्रकल्प तैयार करना अपेक्षित है।)

संदर्भ ग्रंथ :

1. सोशल नेटवर्किंग : नए समय का संवाद — संपादक : संजय द्विवेदी
2. नए जमाने की पत्रकारिता — सौरभ शुक्ला
3. सोशल मीडिया — योगेश पटेल
4. उत्तर आधुनिक मीडिया तकनीक — हर्षदेव
5. नयी संचार प्रौद्योगिकी पत्रकारिता — कृष्ण कुमार रत्तू
6. हिन्दी भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरूप — डॉ. कैलाश चन्द्र भाटिया
7. इन्टरनेट — शशि शुक्ला

T.Y.B.A. Course – VII
Semester – V
Credits – 4
कुल व्याख्यान —60
Course code – UAHIN – 504
कला, तृतीय वर्ष (हिंदी)
प्रश्न पत्र —VII
साहित्य समीक्षा : छंद एवं अलंकार
(T.Y.B.A. Hindi Paper - VII)
(Literary Criticism: Prosody & Rhetorics)

साहित्य समीक्षा : स्वरूप एवं सामान्य परिचय

इकाई I **समीक्षा : —**

- साहित्य की परिभाषा और स्वरूप (भारतीय एवं पाश्चात्य)
- साहित्य के तत्त्व
- साहित्य के हेतु
- साहित्य के प्रयोजन (केवल भारतीय)

इकाईII **कला : —**

- परिभाषा और वर्गीकरण
- कला और साहित्य का संबंध

इकाई III **काव्य के रूप : —**

- महाकाव्य : भारतीय एवं पाश्चात्य मान्यताओं का परिचय
- खंडकाव्य : स्वरूप और विशेषताएँ
- मुक्तक काव्य : स्वरूप और विशेषताएँ
- गीत : स्वरूप और विशेषताएँ
- ग़ज़ल का सामान्य परिचय

इकाईIV **छंद :—**

सामान्य परिचय, लक्षण एवं उदाहरण

- मात्रिक छंद : i) चौपाई, ii)रोला, iii) दोहा,iv) बरवै,

v) हरिगीतिका, vi) गीतिका,vii) छप्पय,
viii) कुंडलिया

- वर्णिक छंद : i)इन्द्रवज्रा, ii)शार्दुलविक्रीडित,

iii) भुजंगप्रयात, iv) द्रुतविलंबित,
v) मालिनी, vi) मंदाक्रांत, vii) सवैया,viii) कवित्त

T.Y.B.A. Course – VII
Semester – VI
Credits – 4
कुल व्याख्यान —60
Course code – UAHIN – 604
कला, तृतीय वर्ष (हिंदी)
प्रश्न पत्र —VII
साहित्य समीक्षा : छंद एवं अलंकार
(T.Y.B.A. Hindi Paper - VII)
(Literary Criticism: Prosody & Rhetorics)

साहित्य समीक्षा :

इकाई I **शब्द शक्ति : —**

- शब्द शक्ति : अर्थ, परिभाषा और स्वरूप
- शब्द शक्ति के प्रकार :
  (अभिधा, लक्षणा एवं व्यंजना का सामान्य परिचय)

इकाई II **रस : —**

- अर्थ एवं स्वरूप
- विविध अंग
- रस के भेद सामान्य परिचय

इकाई III **गद्य के विविध रूप : —**

- नाटक के तत्त्व (पाश्चात्य मान्यताओं के आधार पर)
- उपन्यास : परिभाषा, स्वरूप एवं प्रमुख तत्त्व
- कहानी : परिभाषा, स्वरूप एवं प्रमुख तत्त्व
- निबंध : स्वरूप तथा सामान्य विशेषताएँ
- आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण और रेखाचित्र का तात्विक विवेचन

इकाई IV **अलंकार :—**

अलंकारों के लक्षण तथा उदाहरण सहित सामान्य परिचय : —

- शब्दालंकार :i) अनुप्रास, ii) यमक, iii) श्लेष,
  iv) पुनरुक्तिप्रकाश, v) वीप्सा, vi) वक्रोक्ति
- अर्थालंकार :i) उपमा, ii) रूपक, iii) अतिशयोक्ति,
  iv) विभावना, v) उत्प्रेक्षा, vi) प्रतीप,
  vii) व्याजस्तुति, viii) भ्रांतिमान, ix) दृष्टांत

संदर्भ ग्रंथ :

1. काव्य के रूप — बाबू गुलाबराय
2. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा — डॉ. नगेन्द्र
3. सिद्धांत और अध्ययन — बाबू गुलाबराय
4. काव्यशास्त्र — डॉ. भगीरथ मिश्र
5. काव्य प्रदीप — श्री. रामबहोरी शुक्ल
6. छंद प्रकाश — श्री. रघुनंदन शास्त्री
7. साहित्य सहचर — आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
8. साहित्य विवेचन — सुमन एवं मलिक
9. हिंदी आलोचना के बीज शब्द — डॉ. बच्चन सिंह
10. हिंदी साहित्य कोश — ज्ञानमंडल प्रकाशन, वाराणसी
11. हिंदी नाटक — डॉ. बच्चन सिंह
12. मोहन राकेश के रात बीतने तक तथा अन्य ध्वनि नाटक में अन्तर्द्वंद — डॉ. गौतम सोनकांबले
13. साहित्य विधाओं की प्रकृति — सं. देवीशंकर अवस्थी
14. कला — हंस कुमार तिवारी
15. आधुनिक साहित्य चिंतन — डॉ. हरिश आरोड़ा, डॉ. गुंजनकुमार झा
16. भारतीय कला का इतिहास — डॉ. भागवत शरण उपाध्याय
17. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत — डॉ. कृष्णदेव झारी
18. भारतीय काव्यशास्त्र — डॉ. मानवेंद्र पाठक
19. आधुनिक गीतिकाव्य — डॉ. उमाशंकर तिवारी
20. भारतीय साहित्य शास्त्र — डॉ. बलदेव उपाध्याय
21. भारतीय काव्यशास्त्र — डॉ. योगेंद्र प्रताप सिंह

T.Y.B.A. Course – VIII
Semester – V
Credits – 4
कुल व्याख्यान —60
Course code – UAHIN – 505
कला, तृतीय वर्ष (हिंदी)
प्रश्न पत्र —VIII
भाषा विज्ञान: हिंदी भाषा और व्याकरण
(T.Y.B.A. Hindi paper - VIII)
(Linguistics: Hindi Language and Grammar)

भाषा विज्ञान

इकाई I

- भाषा की परिभाषा एवं उसकी विशेषताएँ
- भाषा के विविध रूप
  (बोली, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा)
- भाषा परिवर्तन के प्रमुख कारण

इकाई II

- भाषा विज्ञान : परिभाषा और उपयोगिता
- भाषा विज्ञान की प्रमुख शाखाएं सामान्य परिचय :
  (वाक्य विज्ञान, रूप विज्ञान, शब्द विज्ञान, ध्वनि विज्ञान तथा अर्थ विज्ञान, अनुवाद विज्ञान)

इकाई III हिंदी व्याकरण

- वर्णविचार : उच्चारण की दृष्टि से हिंदी ध्वनियों का वर्गीकरण
- कारक के भेद एवं उनकी विभक्तियाँ

इकाई IV शब्द साधन (रूपांतर)

- संज्ञा : रूपांतर के आधार
- सर्वनाम : कारक रचना
- विशेषण : रूपांतर के आधार
- क्रिया में रूपांतर के आधार
  (वाच्य, काल, पुरुष और वचन)

T.Y.B.A. Course – VIII
Semester – VI
Credits – 4
कुल व्याख्यान —60
Course code – UAHIN – 605
कला, तृतीय वर्ष (हिंदी)
प्रश्न पत्र —VIII
भाषा विज्ञान: हिंदी भाषा और व्याकरण
(T.Y.B.A. Hindi Paper - VIII)
(Linguistics : Hindi Language and Grammar)

हिंदी भाषा का स्वरूप और विकास

इकाई I

- प्राचीन एवं मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाओं का सामान्य परिचय —
  क) वैदिक, ख) लौकिक संस्कृत,
  ग) पाली, घ) प्राकृत, ड.) अपभ्रंश
- हिंदी भाषा की उत्पत्ति और विकास

इकाई II

- हिंदी की प्रमुख बोलियों का सामान्य परिचय —
  क) ब्रज, ख) अवधी, ग) भोजपुरी, घ) खड़ी बोली,
- खड़ी बोली हिंदी के विविध रूप —
  क) हिंदी, ख) हिंदुस्तानी, ग) उर्दू, घ) दक्खिनी

इकाई III

- हिंदी का शब्द समूह
- देवनागरी लिपि : विशेषताएँ एवं महत्त्व

इकाई IV हिंदी व्याकरण —

- वाक्य रचना —
  क) वाक्य की परिभाषा, अर्थ और रचना की दृष्टि से प्रकार
  ख) हिंदी वाक्य रचना में पदक्रम अध्याहार संबंधी सामान्य नियम
- समास एवं संधि —
  क) समास : अर्थ, स्वरूप तथा प्रमुख भेदों का सामान्य परिचय
  ख) संधि : अर्थ, स्वरूप तथा प्रमुख भेदों का सामान्य परिचय।

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी भाषा और लिपि— डॉ. धीरेंद्र वर्मा
2. हिंदी भाषा का इतिहास — डॉ. भोलानाथ तिवारी
3. भाषा विज्ञान — डॉ. भोलानाथ तिवारी
4. हिंदी ध्वनियों का विकास — डॉ. भोलानाथ तिवारी
5. हिंदी व्याकरण — प. कामता प्रसाद गुरु
6. हिंदी शब्दानुशासन — आचार्य किशोरीदास वाजपेयी
7. भाषा विज्ञान की भूमिका — डॉ. देवेंन्द्रनाथ शर्मा
8. भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र — डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
9. हिंदी व्याकरण और रचना — वासुदेवनंदन प्रसाद
10. हिंदी व्याकरण मीमांसा — काशीराम शर्मा
11. भाषा शास्त्र के सिद्धांत — डॉ. उदय नारायण तिवारी
12. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत — डॉ. राम किशोर शर्मा
13. व्यवहारिक हिंदी — डॉ. मानवेंद्र पाठक
14. हिंदी भाषा का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य — डॉ. राम किशोर शर्मा

T.Y.B.A. Course – IX
Semester – V
Credits – 4
कुल व्याख्यान —45
Course Code – UAHIN – 506
कला, तृतीय वर्ष (हिंदी)
प्रश्नपत्र—IX
आधुनिक हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि
(T.Y.B.A. Hindi Paper - IX)
(Ideological Background of Modern Hindi Literature)

इकाई I — भारतीय नवजागरण आंदोलन और हिंदी साहित्य पर उसका प्रभाव (सामाजिक दृष्टि से होने वाले वैचारिक एवं व्यावहारिक बदलाव के विशेष संदर्भ में)

- भारतीय नव जागरण आंदोलन
  (ब्रह्म समाज, प्रार्थना समाज, रामकृष्ण मिशन, थियोसोफ़िकल सोसाइटी सत्यशोधक समाज का सामान्य परिचय एवं मान्यताएँ)
- आर्य समाज के सामाजिक दार्शनिक सिद्धांतों का हिंदी कविता और उपन्यास पर प्रभाव

इकाई II — गांधीवादी चिंतन का हिंदी कविता और उपन्यास पर प्रभाव

इकाई III — मार्क्सवाद : हिंदी कविता और हिंदी कथा साहित्य पर प्रभाव

इकाई IV — राष्ट्रीय चेतना के विकास में हिंदी पत्र—पत्रिकाओं का योगदान — (हरिश्चंद्र मैगजीन, हिंदुस्तान, हिंदी प्रदीप, सरस्वती, स्वराज, कर्मवीर, चांद और मतवाला के विशेष संदर्भ में)

सूचना : प्रकल्प — २० अंक

(पाठ्यक्रम से संबंधित किसी भी विषय पर 15 से 20 पृष्ठों का प्रकल्प तैयार करना अपेक्षित है।)

संदर्भ ग्रंथ :

1. बंगाल में स्वदेशी आंदोलन — सुमित सरकार
2. आज का भारत — रजनी पामदत्त
3. सत्य के प्रयोग — मोहनदास करमचंद गांधी
4. गुलामी — ज्योतिराव फुले
5. हिंदी साहित्य में प्रतिबंधित चिंतन प्रवाह — सुधाकर गोकाकर और गो. रा. कुलकर्णी
6. हिंदी साहित्य पर गांधीवादी प्रभाव — डॉ. अरविंद जोशी
7. मार्क्सवाद — यशपाल
8. हिंदी पत्रकारिता — डॉ. कृष्ण बिहारी मिश्र
9. समाचार पत्रों का इतिहास — अंबिका प्रसाद वाजपेयी
10. भारतीय पत्रकारिता कोश — विजय दत्त श्रीधर
11. मार्क्सवादी साहित्य चिंतन — शिवकुमार मिश्र
12. भारतीय समाज में नारी — निरा देसाई
13. भारतीय दलित आंदोलन का इतिहास — मोहनदास नैमिशराय
14. आधुनिक हिंदी कथा साहित्य और मनोविज्ञान — डॉ. देवराज उपाध्याय

T.Y.B.A. Course – IX
Semester – VI
Credits – 4
कुल व्याख्यान —45
Course Code – UAHIN – 606
कला, तृतीय वर्ष (हिंदी)
प्रश्नपत्र—IX
आधुनिक हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि
(T.Y.B.A. Hindi Paper - IX)
(Ideological Background of Modern Hindi Literature)

इकाई I — मनोविश्लेषणवाद : सामान्य परिचय और हिंदी कथा साहित्य पर उसका प्रभाव

इकाई II — दलित चेतना : हिंदी कविता तथा कथा साहित्य पर प्रभाव

इकाई III — समकालीन कथा साहित्य में आदिवासी विमर्श

इकाई IV — स्वातन्त्रयोत्तर जन चेतना और हिंदी पत्रकारिता : धर्मयुग, आलोचना, हंस, कथादेश, इंडिया टुडे, आज और नवभारत टाइम्स (अभिव्यक्ति के विशेष संदर्भ में)

सूचना : प्रकल्प — २० अंक

(पाठ्यक्रम से संबंधित किसी भी विषय पर 15 से 20 पृष्ठों का प्रकल्प तैयार करना अपेक्षित है।)

संदर्भ ग्रंथ :

1. बंगाल में स्वदेशी आंदोलन — सुमित सरकार
2. आज का भारत — रजनी पामदत्त
3. गुलामी — ज्योतिराव फुले
4. हिंदी साहित्य में प्रतिबंधित चिंतन प्रवाह — सुधाकर गोकाकर और गो. रा. कुलकर्णी
5. दलित देवो भव — किशोर कुणाल
6. मनोविश्लेषण — सिगमंड फ्राइड

7. हिंदी पत्रकारिता — डॉ. कृष्ण बिहारी मिश्र
8. समाचार पत्रों का इतिहास — अंबिका प्रसाद वाजपेयी
9. भारतीय पत्रकारिता कोश — विजय दत्त श्रीधर
10. मार्क्सवादी साहित्य चिंतन — शिवकुमार मिश्र
11. दलित साहित्य का समाजशास्त्र — ओमप्रकाश वाल्मीकि
12. आधुनिकता के आइने में दलित — अभय कुमार दुबे
13. भारतीय समाज में नारी — निरा देसाई
14. आधुनिक हिंदी कविता में मनोविज्ञान — डॉ. उर्वशी ज. सुरती
15. भारतीय दलित आंदोलन का इतिहास — मोहनदास नैमिशराय
16. आधुनिक हिंदी कथा साहित्य और मनोविज्ञान — डॉ. देवराज उपाध्याय
17. दलित वैचारिकी की दिशाएँ — सं. बद्रीनारायण
18. हिंदी उपन्यास में दलित वर्ग — कुसुम मेघवाल
19. दलित चेतना और समकालीन हिंदी उपन्यास — डॉ. मुन्ना तिवारी
20. आदिवासी शोर्य और विद्रोह — सं. रमणिका गुप्ता
21. आदिवासी साहित्य यात्रा — सं. रमणिका गुप्ता
22. बीसवीं शताब्दी की अंतिम द्विदशक की हिंदी कहानी में दलित जीवन — डॉ. गौतम सोनकांबले